an>

Title: Regarding the condition of drought affected farmers in Tikamgarh-Chhattarpur Parliamentary Constituency of Madhya Pradesh.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, आज देश के कई राज्य सूखे की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं। सूखाग्रस्त किसानों की समस्याओं को लेकर आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी की चिन्ता सर्वविदित है। इस समस्या का युद्ध स्तर पर सामना करने के लिए उन्होंने इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। एक उच्च स्तरीय समिति का निर्माण भी कराया जिसमें समयबद्ध तरीके से सूखा पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने का प्रावधान किया गया है। मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड जिसमें टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सागर, दमोह जिला, ये पिछले कई वर्षों से सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं। लगातार कई वर्षों के सूखे के कारण जमीन का जल स्तर बिल्कुल सूख गया है।

मैं एक सप्ताह पहले खरगापुर क्षेत्र के कुरीला गांव में गया था। वहां एक भी हैंड पम्प, कुंए में पानी नहीं है। जब मैंने समस्या का हल करने के लिए गांव वासियों से पूछा तो उन्होंने कहा कि 25-30 फीट के बाद यहां पूरा पठार है। टीकमगढ़ जिला पठारी क्षेत्र है। दूसरे राज्यों में ट्रेन से भी प्रावधान हो सकते हैं, लेकिन हमारे वहां ट्रेन का भी प्रावधान नहीं होने से किसी भी तरह पानी पहुंचाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। जो स्थिति मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड की है, उत्तर प्रदेश के बंदेलखंड के जिलों में भी यही हालात बने हुए हैं। पिछले कई सालों से लगातार सूखे के कारण इस क्षेत्र में गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। बुंदेलखंड में एक समय जब चन्देलों का साम्राज्य था तो टीकमगढ़ जिले में एक हजार तालाब थे। हर गांव में एक तालाब था। वे तालाब जीवन रेखा का काम करते थे। लेकिन आज वे पूरी तरह खत्म हो गए हैं। एक हजार तालाबों में से मुश्किल से साढ़े चार सौ तालाब बचे हैं।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि सरकार इस दिशा में बुंदेलखंड के बारे में प्राथमिकता के साथ नीति बनाकर जैसे बुंदेलखंड के लिए पैकेज का अलग से प्रावधान किया गया है, ऐसे ही सूखे की समस्या का सामना करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई जाए जिसमें पेयजल के साथ-साथ किसानों को राहत देने के भी प्रबंध किए जाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री अजय मिश्रा टेनी,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्रीमती रीती पाठक,

श्री रोड़मल नागर और

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।